

messenger[®]

ISSUE 3 VOLUME IV

DECEMBER 2023

Merry Christmas

&
HAPPY NEW YEAR



May the grace of the Jubilee reawaken in us, Pilgrims of Hope,
a yearning for the treasures of heaven
May that same grace spread the joy and peace of our Redeemer
throughout the earth



PUSHPA ENTERPRISES



We Undertake

Printing

- BOOKS • BILL BOOK • RECEIPT BOOKS • BOOK BINDING
- OFFSET PRINTING • QUESTION PAPER PRINTING • ID CARD

Media Works

- PHOTOGRAPHY • VIDEOGRAPHY • WEBSITE
- ADVERTISEMENTS • DESIGNING • ETC.

Gifts

- PRIZES • SHIELDS • MEMENTOS
- CORPORATE GIFTS • ETC.



Director - Fr. Linto Peter : 7620611714

Asst. Director - Fr. Jomise Joy : 9623113544

📍 Archbishop's House, Kamptee Road, Mohan Nagar, Nagpur

PATRON

Most Rev. Elias Gonsalves
(Archbishop of Nagpur)

EDITORIAL BOARD

PUBLISHER & CHIEF EDITOR

Fr. Anthony D'souza

ASSOCIATE EDITORS

Fr. Anthony Xaviour
Mrs. Zurica Pinto
Mr. Kevin Pinto
Mr. Joseph D'Souza

NEWS BUREAU

Fr. Anthony Xaviour

LAYOUT DESIGN

Fr. Linto Peter
Namrata Graphics

FOR ADVERTISEMENT CALL

Fr. Jomise Joy : 9623113544
Mr. Thomas Gabriel : 9552542932

CIRCULATION MANAGER

Fr. Anthony Xaviour

EDITORIAL OFFICE

Archbishop's House
Mohan Nagar, Kamptee Road
Nagpur - 440001

☎ 0712-2533239 / 7420901714
✉ news4messenger@gmail.com

messenger

for private circulation only

CONTENTS

1. Shepherd Speaks	02
2. Welcoming Bishop Malcom Securia at Archbishop House	04
3. Editor's Message	05
4. Marie Poussepin's School, Result 2022 - 23	06
5. St. Peter's School, Bhandara : Report	06
6. Observation Of International Girl Child Day	09
7. St. Rossello's School (CBSE) Mathani, Mouda, Nagpur : Report	10
8. Report On Silver Jubilee	11
9. St. Claret Church, Butibori : Report	12
10. CRI Nagpur Unit : Report	12
11. Nagpur Archdiocesan Inter Religious & Ecumenical Forum : Report	15
12. C'est La Confiance on Confidence in the Merciful Love of God	16
13. Laudate Deum : Praise God	18
14. जयंती - 2025	21
15. Bhandara Deanery Bible Training At Jawahar Nagar : Report	23
16. Ghoradongri Parish : Report	23
17. St. John Paul II Church, Hazaripahad : Report	24
18. Mary Queen Of The Apostles Church, Pallotti Nagar, Nagpur : Report	25
19. For Unto Us is Born a Saviour	26
20. Jesse Tree an Advent Preparation	27
21. Report On Sesquicentennial Jubilee Of PSDP	29
22. Holy Rosary Parish, Seminary Hills, Nagpur : Report	30
23. SFS Cathedral	33
24. आज ईसा मसीह का जन्म मेरे लिए क्या मायने रखता है?	34
25. St. Charles Seminary Feast 2023 : Report	35
26. Biblical Queen Season 2 : Report	36
27. Christian Life Commission Club Inaugurations	39
28. Faith Formation Sunday	39
29. Celebrating Faith and Family	40
30. Empowering Faith	40
31. Jeevoday Education Society & Jeevoday College : Report	41
32. The Nagpur Archdiocesan Inter Religious and Ecumenical	42
33. Fransalian Youth Conference 2023	43
34. Programme for Youth Leaders	43
35. Wake Up & Reach Out	44

SHEPHERD SPEAKS

ख्रीस्त के जन्म का विवरण



ख्रीस्त में मेरे प्रिय भाईयो तथा बहनो, एक बार आप येसु ख्रीस्त जयंती का दहलीज पर हैं। येसु ख्रीस्त के जन्म के गहन अर्थ को समझने के लिए पवित्र धर्मग्रंथों की वैज्ञानिक व्याख्या अनिवार्य है, अन्यथा ईसा की जयंती उपदेश तक ही सीमित रह जाएगी। आइए सबसे पहले हम संत लुकस 2:1 से 20 के अनुसार येसु ख्रीस्त के जन्म के विवरण का विश्लेषण करें। हम इस पाठ को येसु ख्रीस्त जयंती की मध्य रात्रि मिस्सा बलिदान के दौरान पढ़ते हैं।

सुसमाचार लेखक संत लुकस स्पष्ट करते हैं कि यह रोमन साम्राज्य के अनिवार्य पंजीकरण के कारण मरियम और जोसेफ को अपने गृहनगर बेथलेहेम जाना पड़ा। नाम का पंजीकरण करना संत लुकस के लिए एक निश्चित धार्मिक घटना थी। संत लुकस गंभीरता से घोषणा करते हैं कि ईश्वर का पुत्र सार्वभौमिक इतिहास में प्रवेश कर चुका है और विश्व नागरिक बन गया है। सुसमाचार प्रचारक बताते हैं कि येसु का जन्म बेथलेहेम शहर में हुआ था। बेथलेहेम शहर वास्तव में चरवाहों का केंद्र था और यहूदिया पर्वत श्रृंखला में स्थित था। संत लुकस बताते हैं कि जोसेफ दाऊद के घराने और वंश का था और दाऊद बेथलेहेम शहर से थे। बेथलेहेम शहर का उल्लेख इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसराइल के लोग ईसा मसीह की प्रतीक्षा कर रहे थे। इसके बाद, संत लुकस ने येसु के जन्म स्थान का उल्लेख किया: यहूदिया पहाड़ों में बेथलेहेम (शाब्दिक रूप से चरवाहों का शहर)।

संत लुकस बताते हैं कि यूसुफ दाऊद के घराने का था क्योंकि वह दाऊद का वंशज था। इस स्थान का उल्लेख इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि बेथलेहेम से ही लोग ईसा मसीह की प्रतीक्षा कर रहे थे (योहन 7:40-43)। इस संबंध में नबी मीका की भविष्यवाणी महत्वपूर्ण है: “बेथलेहेम एफ्राता! तू यूदा के वंशों में छोटा है। तू इतना छोटा है कि तेरे परिवार की गिनती करना असंभव है। परन्तु ”इस्त्राएल का शासक“ तेरे द्वारा मेरे पास आएगा। इसकी शुरुआत प्राचीन काल से, अनंत काल से हुई (5:2)।

उपरोक्त ऐतिहासिक और भौगोलिक अभिलेखों के माध्यम से, संत लुकस बताते हैं कि मुक्तिदाता का जन्म उस समय प्रचलित कोई परी कथा या किंवदंती नहीं है, बल्कि एक वास्तविक और मूर्त घटना है। येसु ख्रीस्त का जन्म अन्य मनुष्यों की तरह ही हुआ था। इस दुनिया में अपनी पहली उपस्थिति के बाद उन्होंने अपनी मानवीय स्थिति साझा की। सुसमाचार प्रचारक बताते हैं कि सराय में पवित्र परिवार के लिए कोई जगह नहीं थी और उन्हें गोशाले में शरण लेनी पड़ी। संत लुकस इन विवरणों को विशेष महत्व देते हैं ताकि वह यह स्पष्ट कर सकें कि ईश्वर इस दुनिया के मूल्यों और मानदंडों को पलट देता है।

आज भी लोग एक शक्तिशाली और डरावने ईश्वर की आशा करते हैं जो सम्मान पाने और महिमा फैलाने में कुशल हो। लेकिन यह अवधारणा ईश्वर की नहीं बल्कि प्रतिमा है। यह महानता और शक्ति के हमारे बुनियादी सपनों का प्रक्षेपण है। येसु में प्रकट हुआ ईश्वर इसके विपरीत है। वह कमजोर और काँप रहा है और खुद को एक महिला के हाथों समर्पित कर देता है। यह तथ्य उनके रहस्योद्घाटन का एक सक्रिय क्षण या दुखद उदासीनता नहीं है जो उनकी अद्भुत महिमा और उनकी सारी शक्ति की बहाली नहीं है। गोशाले में मौजूद येसु एक सच्चा शाश्वत प्रभु के रूप में उपस्थित है।

सुसमाचार के दूसरे भाग में हम चरवाहों के बारे में सुनते हैं। गरीब चरवाहे सबसे पहले चरनी में रखे बच्चे को मुक्तिदाता, दाऊद के पुत्र और लंबे समय से प्रतीक्षित मसीह के रूप में पहचानने वाले थे। केवल वही क्यों? इसलिए नहीं कि उनकी आध्यात्मिक तैयारी उत्कृष्ट थी बल्कि, ये चरवाहे साधारण, उत्कृष्ट, बेदाग या ईमानदार नहीं थे। लोग उनका सम्मान नहीं करते थे। लोग उन्हें सबसे अपवित्र व्यक्ति मानते थे। उनका जीवन जंगली जानवरों से भिन्न नहीं था। वे मंदिर में प्रवेश करके प्रार्थना नहीं कर सकते थे। उन्हें न्यायाधीशों के सामने उपस्थित होकर गवाही देने का भी अधिकार नहीं था क्योंकि वे उन्हें अविश्वसनीय, झूठे, बेईमान मानते थे।

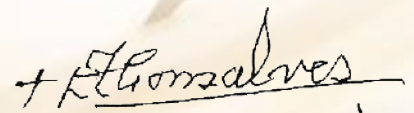
धार्मिक विद्वान सिखा रहे थे कि चरवाहों और चुंगी लेने वालों का उद्धार असंभव था। उनका जीवन इतना दुष्ट था, उन्होंने इतना नुकसान किया था, उन्होंने इतने सारे लोगों को लूटा था कि वे गिन नहीं सकते थे कि उन्होंने उनसे क्या चुराया था, और जो कुछ उन्होंने चुराया था वह उन्हें वे कभी वापस नहीं कर पाएंगे। एक स्वर्गदूत चरवाहों को संदेश देता है आज दाऊद के नगर में एक मुक्तिदाता का जन्म हुआ है; वह मसीह प्रभु है। इसी तरह की घोषणा प्रीने नामक रोमन प्रांत के एक शिलालेख में पाई जा सकती है। रोमन साम्राज्य ने कैफस को दुनिया का मुक्तिदाता घोषित किया। संत लुकस यह स्पष्ट करते हैं कि केवल येशु खीस्त ही दुनिया के मुक्तिदाता हैं, न कि कैफस। कैफस कभी भी सच्ची शांति नहीं दे सकता क्योंकि ईसा मसीह वास्तव में ईश्वर का पुत्र और शांति का राजा है। येशु खीस्त के पहले रहस्योद्घाटन से, येशु को सबसे पिछड़े लोगों में रखा गया था, क्योंकि ये लोग, धर्मी नहीं, ईश्वर से प्रेम, मुक्ति और आशा की अपेक्षा करते थे।

येशु वयस्क होते समय इन लोगों के साथ रहेगे, उनकी स्पष्ट भाषा बोलेंगे, उपमाओं, दृष्टान्तों और उनकी दुनिया की कल्पना का उपयोग करेंगे, उनके सुखों और कष्टों में भाग लेंगे, और जब भी कोई उन्हें कमजोर करने की कोशिश करेगा तो हमेशा उनके पक्ष में खड़े रहेंगे। मुक्तिदाता को पहचानने के लिए चरवाहों को जो संकेत दिया गया वह आश्चर्यजनक और विडम्बनापूर्ण है। देवदूत यह नहीं कहते कि वे एक बच्चे को देवदूत के चेहरे, प्रभामंडल के साथ, और स्वर्गीय यजमानों से घिरा हुआ और प्रकाश से प्रकाशित देखेंगे। उपरोक्त में से कोई नहीं: एक पूरी तरह से सामान्य बच्चा, एक अनूठी विशेषता के साथ: वह गरीब है और गरीबों के साथ है। सुसमाचार लेखक बताते हैं, “आपको यह चिन्ह मिलेगा, एक बालक को कपड़े में लपेटा हुआ और चरनी में रखा हुआ पाओगे, वे दो समूह जिन्हें हमने पहले ही येशु के जीवन के दौरान उनके जन्म के समय परिभाषित किया था।

एक तरफ गरीब, अज्ञानी, तिरस्कृत लोग जो उन्हें तुरंत पहचान लेते हैं और खुशी से उन्हें स्वीकार कर लेते हैं और दूसरी तरफ बुद्धिमान, अमीर, शक्तिशाली येशु को अस्वीकार कर देते हैं। वे निश्चित रूप से यह नहीं समझते थे कि विश्व का इतिहास दो भागों में विभाजित होगा: जन्म-पूर्व और जन्म-पश्चात

जयंती वर्ष 2025

सहयात्री कलीसिया पर आधारित धर्म परिषद का पहला सत्र अक्टूबर 2023 में संपन्न हुआ। परिणामस्वरूप, परमगुरु संत पिता फ्रांसिस ने जयंती की घोषणा की। जयंती 2025 के लक्ष्य को तीन आर के रूप में समझा जा सकता है। याद रखें, समीक्षा करें और पुनर्स्थापित करें। जुबली वर्ष 2025 आपको प्रभु को याद करने और प्रभु और उनकी खीस्तीय मण्डली के साथ अपने संबंधों की समीक्षा करने और प्रभु और उनके लोगों के साथ अपने संबंध स्थापित करने के लिए आमंत्रित करता है। आइए जैसे हम खीस्त जयंती की तैयारी करते हैं हम बालक येशु के साथ आशा के तीर्थयात्रियों के रूप में यात्रा करें (जुबली 2025 के लिए आदर्श वाक्य)। सभी को खीस्त जयंती की हार्दिक शुभकामनाएँ।



✠ **Elias Gonsalves**
Archbishop of Nagpur



**Welcoming Bishop Malcom Securia
at Archbishop House**

अमरावती धर्मप्रांत को मिला नया मेषपाल

फादर खिसलर पेरुंबुली, सहायक निर्देशक,
अमरावती धर्मप्रांतीय सामाजिक दूरसंचार समिती

पाच वर्षों के दीर्घकालीन इंतजार के बाद ईश्वर कि असिम कृपा से अमरावती काथलिक धर्मप्रांत को नवीन धर्माध्यक्ष मिला है। 30 नोव्हेंबर 2023 को संत अँड्र्यू के पर्व के अवसर पर संत पिता फ्रान्सिस ने आदरणीय फादर मेलकम सिक्वेरा को अमरावती धर्मप्रांत के धर्माध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया। यह खुश खबर भारतीय मानक समय के अनुसार शाम 4.30 बजे सार्वजनिक किया गया। नागपूर के महाधर्माध्यक्ष और अमरावती धर्मप्रांत के प्रेरित प्रशासक परम कृपालू महामहिम एलायस घोन्साल्विस ने संत फ्रान्सिस झेवियर महागिरीजाघर में इस खुश खबर की घोषणा की और सभी विश्वासियों से नए धर्माध्यक्ष के लिए प्रार्थना करने की विनंती भी की।

फादर मेलकम सिक्वेरा का जन्म 4 नोव्हेंबर 1961 को गिरीज गांव में हुआ। फादर मेलकम सिक्वेरा संत फ्रान्सिस झेवियर पल्ली के निवासी हैं। यह पल्ली उस समय मुंबई महाधर्मप्रांत का हिस्सा थी और वर्तमान में वसई धर्मप्रांत का हिस्सा है।

उन्होंने अपनी शिक्षा निम्नलिखित संस्थाओं से पूर्ण किया

- दर्शनशास्त्र और ईशशास्त्र: संत पायस धर्मशिक्षणालय, गोरगांव मुंबई.
- आंतरिक रुपरेखा में स्नातकोत्तर पदवी: रचना संसद, मुंबई .
- कला में स्नातकोत्तर पदवी: पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
- सामाजिक दूरसंचार में स्नातकोत्तर पदवी: पेंटिफिकल ग्रेगोरियन विश्वविद्यालय, रोम.



धर्मपरिचर्या कार्य व पद

- 13 एप्रिल, 1996 को उनका पौरोहित्य अभिषेक हुआ और पुणे धर्मप्रांत में उनका समावेशन हुआ।
- 1996-1998: सहायक पल्ली पुरोहित, संत पेट्रिक महागिरजाघर , पुणे।
- 1998-2003: निर्देशक, धर्मप्रांतीय लघु खीस्ती समुदाय समिती।
- 2003-2005: सामाजिक दूरसंचार में स्नातकोत्तर पदवी की पढाई हेतु रोम गए।
- 2005-2008: कार्यक्रम निर्देशक, नव साधना धर्मप्रांतीय मेषपालीय केंद्र, पुणे।
- 2005 से आज तक: निर्देशक, धर्मप्रांतीय सामाजिक दूरसंचार समिती, धर्मप्रांतीय जनसंपर्क अधिकारी और पुणे धर्मप्रांतीय जीवन पत्रिका के संपादक।
- 2008-2013: पल्ली पुरोहित, संत पेट्रिक महागिरजाघर , पुणे।
- 2008 से आज तक : धर्मप्रांतीय सलाहकार, पुणे धर्मप्रांत।
- 2012 से आज तक : प्रतिधर्माध्यक्ष (Vicar General), पुणे धर्मप्रांत।
- 2013-2016: निर्देशक, धर्मप्रांतीय संपत्ति कार्यालय।
- 2016-2019: पल्ली पुरोहित, दिव्य कृपा गिरजाघर , पुणे।
- 2019 से आज तक : पल्लीपुरोहित , संत ऍनस गिरजाघर, पुणे।

EDITOR'S MESSAGE



It is with sentiments of expectant joy that we hasten to place in your willing hands the Christmas issue of the Messenger, our Archdiocesan bulletin. Christmas is an opportune moment when we are invited to reflect and ponder on the immensity and depth of the Incarnation: God's Only begotten Son born of the Virgin Mary. We experience his coming among us which is at the same time intimate and personal. The love, joy and peace Jesus gives us during this season of grace adds meaning to all our community celebrations. We are inspired and invited to a greater sensitivity and generosity towards the less privileged and those living on the margins of society. The opening pages of this issue rightly features the fundamental aspect of our faith journey in our following of Christ, which is indeed a step in the Synodal process. It will also trace the attempts at disseminating the Programmatic and Activity based matrices that were presented by the various parishes at the Deanery level.

Also included in this issue are the reports of the various activities in the parishes and institutions which are indicative of a vibrant ecclesial community.

The following issues will focus on the triple themes of learning, preparation and celebration as we march towards the Jubilee year 2024-2025.

My sincere thanks to all our collaborators and well-wishers for their timely assistance. The editorial board comprising of Fr. Linto Peter, Fr Anthony Xaviour, Fr. Jomise Joy and Mrs. Zurica Pinto deserve our appreciation and gratitude.

Happy Reading!

Rev. Fr. Anthony D'souza
Chief Editor
Messenger



MARIE POUSSEPIN'S SCHOOL, RESULT 2022 - 23

Marie Poussepin's Academy, an ICSE Board school in Mhasala Nagpur, has conducted various academic and extra-curricular activities for the 2022-23 academic year. The school has 1634 students of which 100% percentage of students in the 10th grade have passed their Board Exams. The school's purpose is to empower parents to care for their children and understand their emotions, helping them grow maturely. It also aims to develop a healthy competitive spirit, encourage students to compete with other schools, and increase their confidence.

The school has participated in various events such as, inter-school football tournaments, project days, inter-house hockey and badminton tournaments, story telling and speech competitions. These events showcase leadership skills, encourage students to be changemakers, and develop skills and techniques. The other various programs also include Independence Day celebrations, Parent's Day celebrations and school picnics.

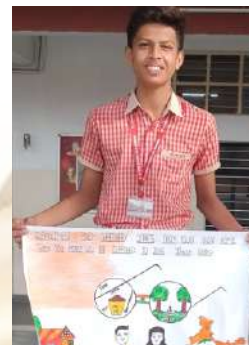
The school also celebrated Republic Day on 26-Jan-2023, which is a great way to teach students about their country's history and install a sense of patriotism in them. The school provides a platform for students to showcase their talents. In addition to these activities, Marie Poussepin's Academy organizes Talent Day celebrations to showcase students' hidden potential.

The school's commitment to providing a nurturing environment for its students is evident in its diverse student body. In conclusion, Marie Poussepin's Academy has had a significant academic year, fostering a strong sense of patriotism and promoting a healthy competitive spirit among its students.



ST. PETER'S SCHOOL, BHANDARA

In St. Peter's school Bhandara Swachh Bharat general cleaning took place around school as well as near the common religious place. Many of us students parents teaching staff and supporting staff too participated. Manager of school and principal gave a short message on cleanliness which next to godliness. Lots parents have appreciated the involvement of their wards. Teachers are instilling in the children the great value of cleanliness. Everyday teachers organized different activities.



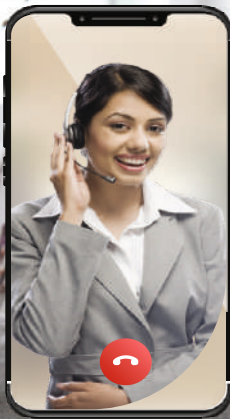
Christmas Wishes
from
**SFS HIGH SCHOOL
AND JUNIOR COLLEGE
SADAR, NAGPUR**
ESTD - 1870



Christmas Wishes From



**OPEN AN ACCOUNT
ANYTIME, ANYWHERE
IN JUST A FEW MINUTES!**



Scan to Apply



**With Video KYC
Account Opening**



Banking simplified!



**Aadhaar Card + PAN Card + Video Call
to open your Savings Account.**

Toll free (India): 1800-102-9408, 1800-425-1809 (BSNL), Email: customercare@sib.co.in, CIN: L65191KL1929PLC001017
www.southindianbank.com | [f/thesouthindianbank](https://www.facebook.com/thesouthindianbank)



OBSERVATION OF INTERNATIONAL GIRL CHILD DAY

The International Day of the girl child is observed annually on 11th October. The day focuses attention on the need to address the challenges girls face and to promote girls' empowerment and the fulfilment of their human rights. With this in mind we the Archdiocesan Migrant Commission celebrated the International Day of the girl Child for migrant and non-migrant workers children on 28th October at St. Anthony's School, Ajni. The theme for the year was "Invest in Girls' Rights: Our Leadership, Our well-being." The theme focuses on taking action to ensure girls' and women's rights are not curtailed and to make progress on gender Equality.

Good Shepherd Formees invoked the blessings of God through a dance, followed by lighting of the lamp by Dignitaries and children. The entire programme was compered by Mrs. Priti teacher of St. Anthony School. Mrs. Aradhana Upadhyay, Director/ Secretary, Church of North India, and social service Institute of Nagpur was the Chief guest for the day. Mrs. Juliet Robert Wilson, President of Women commission for the Archdiocese was the guest of honour. We also had the privilege to have Fr. Philip Topno, parish priest of St. Anthoy's Church and Sr. Pushpa Louis, Province Leader of Sisters of the Good shepherd as our guests.

Sr. Resi Joseph Migrant Commission Convener welcomed the guests and all the participants. There were colourful cultural programmes by the children. They brought out their rights to live, education, sports, recreation and equality through dance, skit and action song.

Chief Guest Mrs. Aradhana spoke on the rights of children specially on the rights of girl children. She focused on the following points: History, Purpose of International girl child day, Issues and problems, educational status, abuse of girls and neglect, barriers to female education, government schemes, solutions and practical approach and health. She explained to the children 4 "E"s for Girl child Development.

- **Equality** • **Education**
- **Enabling Environment** • **Empowerment**

The speech was delivered through a Power Point presentation and a small documentary film, which attracted the children who were very attentive to listen and responded well. Mrs. Juliet the Guest of Honour spoke to the children on Gender equality and the rights of Girl children with the help of a poem.

Through this celebration we were able to create awareness for 345 children especially on the Rights of Girl children. Sr. Pushpa Louis proposed the vote of thanks to all the dignitaries, children, teachers and to the organizers. All the children were given refreshments. The children had a memorable day and learned many things for life.

"Women and Girls' can lead us to a fairer future.... Let us amplify girls' voices, and recommit to working together to build a world where every girl can lead and thrive".

Reported by:

Sr. Resi Joseph

Convener for Archdiocesan Commission for Migrants.





ST. ROSSELLO'S SCHOOL (CBSE) MATHANI, MOUDA, NAGPUR

REPORT OF THE ACTIVITIES OF THE YEAR 2023 - 24

The academic year commenced on 26th June 2023. Prior to the academic session a teachers training was conducted by Mrs. Apurva Pande of COE, Pune on the theme "Nurturing emotional intelligence" which helped the teachers to begin the academic session with much enthusiasm and positive energy. During the year different co-curricular activities were held. A sports day was conducted to enhance sportsmanship in the students. Students participated in the inter school chess, football and relay competitions and won prizes. The School conducted fancy dress, solo song, group song, solo dance, group dance, Rangoli, Pinup board and speech competitions to develop their talents and to grow in the spirit of unity and team work.

Activity day was conducted without the use of black board and books. The students were divided into different clubs like Maths club, Language club, Science club, Social club and Tourism club. In-charge teachers took their respective students and creatively conducted activities which fostered enthusiasm and active participation of all the students.

Special learning programmes are conducted every month as decided by HUB Members wherein seven CBSE schools actively participate. The theme for the year was to learn more about the famous poets. Our students selected "Robert Frost" an American Poet. The students portrayed his pictures, wrote Poems of their own and the life history and poems of the poet were presented in the form of dance, enactment and drawings. It was indeed an informative and cultural programme, where the students could exhibit their inborn talents.

Festivals and celebrations like Independence day, Teachers day, Childrens day and Diwali were held to foster patriotism and cultural awareness in the students. Apart from all these activities we aim at a "Transformative education" through value based classes and try to foster the full realization of the students according to the plan of God, helping them to become innovative and critical thinkers acquiring the values of Peace, Compassion, Freedom and fraternity building a climate of love and mercy as it is the vision of our education ministry.



Hub of Learning (CBSE) – Inauguration
on 12.08.2023



Fancy Dress on Children Day 2023 - 2024



Group Song on Children Day 2023 - 2024

25th REPORT on SILVER JUBILEE

Recently St. Anthony's church, Ajni celebrated its Jubilee of the Renovated Church with preparations starting forty days before the event. The nine-day novena period from November 10 to 18 was observed.

On November 19 the Jubilee Mass was celebrated by His Grace Rev. Elias Gonsalves. During the Holy Mass, priests from various parishes and nuns from other congregations also participated.

Following the Mass, was a cultural event to celebrate the Jubilee. The prayer dance, welcome dance, retro dance, and dance by the catechism students were all very impressive.

A short documentary film about the life of St. Anthony was fantastically shown on the enormous screen.

The Parish Priest, Fr. Philip Topno, delivered a vote of appreciation. Everyone enjoyed a meal together that was handled in a calm and serene manner. A special thank you to Br. Samuel and Fr. Augustine for their prompt assistance in making the Jubilee a huge success, as well as to every parishioner for their selfless assistance and support.

Florentina Andrews

Joint Secretary Ajni Parish



ST. CLARET CHURCH, BUTIBORI

The St. Claret Church, Butibori celebrated the feast of their founder and Patron, St. Claret, on 15 October 2023. Most. Rev. Elias Gonsalves, Archbishop of Nagpur graced the celebration and administered the sacraments of First Holy Communion and Confirmation to the children. On the feast day, Nine of the faithful received First Holy communion and seven of them were administered the sacrament of Confirmation.



CRI NAGPUR UNIT

On Monday, November 27, 2023, the CRI Nagpur Unit, in collaboration with the Major Superiors organised an informative seminar on the topic 'DEMOCRACY and GOVERNANCE'.

Our Archbishop, most Reverend Elias Gonsalves and Fr. Anthony Dsouza, the Vicar General were also in attendance and addressed the gathering. Over 150 participants, including CRI members of the Nagpur unit, diocesan priests and seminarians attended the seminar.

Fr. Jerald Dsouza SJ was the esteemed resource person who enlightened the gathering with his expertise and experience. He gave everyone hope that we might all play a part in establishing a decent and equitable society and in building our country.

Sincere gratitude is extended to the Core Committee Members for the organization of this inspiring and relevant seminar.



Christmas Wishes From
Adv. Saddish Francis
LEGAL ALLIANCE SERVICE

Office at:

Nagpur : 152, Mecosabagh, Near Kadbi Chowk, Nagpur

Mumbai : Shop No. 9. Austin Park CHS, Nr. Civil Hospital, Dhobi Ali, Thana West, Mumbai

Aurangabad : Plot No. 1246. Sudhakar Nagar, Satara Parisar, Aurangabad-431010

Raipur : Pachpadi Naka, Santosh Nagar, Raipur.

✉ legalallianceservices.com 🌐 assistance@legallianceservices.com

📞 99706 40134

Christmas Wishes From



JUBILEE BAKERY
— since 1900 —

Christmas Greetings
from Nagpur's Oldest Bakery

Contact us for Outstation Courier
Of Our Delicious Christmas Plum Cakes and Sweets

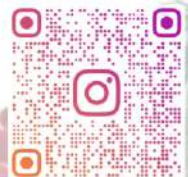
OUR NAGPUR LOCATIONS

MOHAN NAGAR : 9822571212 | 8698728898

DHANTOLI : 9823588529 | 07122444356

KADBI CHOWK : 7385126789

ANANT NAGAR : 8999122057



Christmas Wishes From



- ★ Rich Plum Cakes & Puddings ★ Cup Cakes
- ★ Yule Logs ★ Dundee Cakes ★ Sugar Buns
- ★ Cookies ★ Chocolates



BAKERY - 6900301, 6900302 | Order online at: www.taubys.com

Sadar - 7420-026603 | Deonagar - 7420-026608 | Ramdaspath - 7420-026606

Christmas Wishes From



NAMCOM

NAGPUR ARCHDIOCESAN MEDIA AND COMMUNICATION

Director
Fr. Linto Peter : 7620611714

Asst. Director
Fr. Jomise Joy : 9623113544

NAGPUR ARCHDIOCESAN INTER RELIGIOUS & ECUMENICAL FORUM

The Nagpur Archdiocesan Inter Religious and Ecumenical Forum held a Singing Competition, Choristers' Ensemble Season 2, on September 19th at Mount Carmel Primary School, Dhantoli. The event aimed to bring people from all walks of life together and provided an opportunity for children and youth to showcase their talents and raise funds for their programs. The chief guest was Rev. Fr. Anthony D' Souza, and Rev. Percy Pantaky was the guest of honor. The jury consisted of Late Dr. Lalit Mitra, Dr. Victor Benjamin, and Mr. Kevin Pinto. The program was Telecasted Live by the NAMCOM, Archdiocesan media team. There were 17 solo and 14 group song entries, with around 500 people in attendance.

We wish to thank all the participating schools, Mr. William Timothy, Mrs. Sweta Bernard- the compere of the program, Dr. Edgar Mackencie for the sound system and Shabana bakery for the refreshments.

Special congratulations to the Winners of the Group category, St. Joseph's Convent School, Kingsway, Mount Carmel Girl's High School, Ajni and Brothers of Pillar Niketan as well as the Winners of Solo category, New Apostolic School, St. Joseph's School and St. John's School, CBSE.



C'EST LA CONFIANCE ON CONFIDENCE IN THE MERCIFUL LOVE OF GOD

**"IT IS CONFIDENCE AND NOTHING BUT CONFIDENCE THAT
MUST LEAD US TO LOVE."**

- SAINT TERESA OF THE CHILD JESUS

Pope Francis' Apostolic Exhortation on Trust in God's Merciful Love, published on 15 October 2023, is a document that invites Christians to live with trust in God as a fundamental attitude of Christian life. In an age that casts aside so many of our brothers and sisters, St. Thérèse of Lisieux teaches us the beauty of concern and responsibility for one another.

In the letter, the Pope explained that he chose not to release the document on her feast day, Oct. 1, or the 150th anniversary of her birth Jan. 2nd or the



100th anniversary of her beatification, which was celebrated in April, because he wanted to "transcend" those celebrations and emphasize how her life and writings are part of the "spiritual treasury" of the church.

The words and events of the Saint, serve to evoke her passion to proclaim Christ's salvation to all. Pope Francis emphasises that trust in God is the basis of our faith and enables us to experience God's merciful love in our daily lives.



The document is divided into three parts.

IN THE FIRST PART, POPE FRANCIS REFLECTS ON GOD'S MERCIFUL LOVE AND REMINDS US THAT GOD IS A LOVING FATHER, ALWAYS READY TO LISTEN TO US AND FORGIVE US.

St. Thérèse of Lisieux writes, in the passage quoted by the Pope, "This simple statement, 'Draw me,' suffices to understand, Lord, that when a soul allows herself to be captivated by the odour of your ointments, she cannot run alone; all the souls whom she loves follow in her train; this is done without constraint, without effort, it is a natural consequence of her attraction for you."

IN THE SECOND PART, POPE FRANCIS INVITES US TO LIVE WITH TRUST IN GOD IN OUR DAILY LIVES. THIS MEANS TRUSTING GOD IN MOMENTS OF JOY AND IN MOMENTS OF DIFFICULTY.

St. Thérèse of Lisieux, teaches Christians "the little way" of love, self-giving, concern for others and complete trust in the mercy of God. Pope Francis points out, "Everyone can follow this way, whatever their age or state in life. It is the way that the heavenly Father reveals to the little ones". With her Little Way, St. Teresa recognizes and reaffirms that the path of salvation announced by the apostolic work of the Church is not reserved for the "competent" in ecclesiastical matters and the bold climbers of spiritual peaks. In it, the privileged are the little ones and the humble, according to Christ's predilection.

IN THE THIRD PART, POPE FRANCIS INVITES US TO SHARE OUR TRUST IN GOD WITH OTHERS. THIS MEANS BEING WITNESSES OF GOD'S LOVE WITH OUR WORDS AND ACTIONS.

St. Thérèse of Lisieux's witness of love for her brothers and sisters who reject the love of Christ takes the form of intercessory prayer, of supplication to the infinite mercy of the Father: "She intercedes for them, while continually renewing her act of faith, in constant loving communion with the Lord"

The apostolic exhortation is a message of hope and encouragement for Christians. It reminds us that God loves and forgives us, and that we can trust him in all aspects of our lives. Pope Francis, recalling the apostolic exhortation *Evangelii Gaudium*, writes "the message has to concentrate on the essentials, on what is most beautiful, most grand, most appealing and at the same time most necessary. The message is simplified, while losing none of its depth and truth, and thus becomes all the more forceful and convincing."

The Pope closed his new exhortation with a prayer: "Dear St. Thérèse, the church needs to radiate the brightness, the fragrance and the joy of the Gospel. Send us your roses! Help us to be, like yourself, ever confident in God's immense love for us, so that we may imitate each day your 'little way' of holiness."

Although St. Thérèse of Lisieux died at the age of 24 in a cloistered convent, her passion for sharing the Gospel through her prayers and example led Pope Pius XI to declare her patroness of the missions in 1927, and her writings led St. John Paul II to proclaim her a doctor of the church in 1997.



LAUDATE DEUM: PRAISE GOD

"'Praise God'; for when human beings claim to take God's place, they become their own worst enemies." - Pope Francis



On 4 October, the Feast of St. Francis of Assisi, Pope Francis published an apostolic exhortation, *Laudate Deum*. The paraphrase, of St. Francis of Assisi as proclaimed by his life, his canticles and all his actions, capture the spirit of the saint's work.



There's a notably urgent tone throughout *Laudate Deum*. Eight years on from the publication of *Laudato si'*, Pope Francis believes that the world has largely failed to rise to the challenges he outlined in the encyclical. He states that ecological concerns are intimately connected to the dignity of human life and that our care for each other and care for creation are bound together. Pope Francis describes climate change as a "structural sin"

He writes that "with the passage of time, I have realized that our responses have not been adequate, while the world in which we live is collapsing and may be nearing the breaking point." The document recognises that Christians and the Church have a responsibility to the Earth and all of creation.

The Global Climate Crisis

Pope Francis summarises developments in the world's temperature path. He expresses fear of what will happen while pointing to overwhelming scientific evidence that climate change is the result of human activity. He rejects the idea that the current changes are part of natural fluctuations or that intermittent cold periods are evidence against global warming. Temperature rises are more rapid than could be caused by natural variation and they are being caused by human activity. The crisis is not of interest to the great economic powers, but the vast majority of scientists support this consensus position. The Pope says that he feels it necessary to make these points because of the "dismissive and scarcely reasonable opinions that I encounter, even within the Catholic Church"



Pope Francis mentions that many changes that have happened are irreversible and that we barely have time to prevent even more tragic damage. He then recognises the marvels of progress whilst reminding us that "What is being asked of us is nothing other than a certain responsibility for the legacy we will leave behind, once we pass from this world"

A Growing Technocratic Paradigm

The “technocratic paradigm” that Pope Francis deplored in *Laudato si'* has continued to wreak havoc. “Artificial intelligence and the latest technological innovations start with the notion of a human being with no limits, whose abilities and possibilities can be infinitely expanded thanks to technology,” he says. “In this way, the technocratic paradigm monstrously feeds upon itself.” Not only must we recognise this physical reality of scarcity, we must detach ourselves from the philosophy that anything that is not human is there to be exploited and appreciate & cherish the gifts of nature.

The exhortation then points out that not all increases in technical capability represent true progress. The development of technology has not been accompanied by a corresponding development of human responsibility, values and conscience. We have some superficial mechanisms, Pope Francis states, but have not developed the ethics, culture or spirituality capable of setting limits and teaching self-restraint in the use of technology. We cannot be guided just by economics in these decisions, we must ask ourselves questions such as: “What is the meaning of my life? What is the meaning of my time on this earth? And what is the ultimate meaning of all my work and effort?”

The Weakness of International Politics

Reflecting on *Fratelli tutti*, Pope Francis emphasises the importance of subsidiarity in Multilateral international bodies, whereby civil society groups can achieve what international political authorities cannot achieve. He mentions the Ottawa Process for the elimination of anti-personnel mines as an example of success in this area.

The exhortation mentions globalisation positively in that it is suggested that it can promote cultural integration and knowledge exchange that can lead to civil society movements developing from the bottom up which could influence action on climate change. Old forms of diplomacy do not seem to be working. Nevertheless, they have an important part to play and should not just be cast aside. They need to reconfigure themselves so that they can be more effective.

Climate Conferences: Progress and Failures

Pope Francis briefly details the history of the COP meetings, which have been held yearly since 1995. Over the past thirty years, these international conferences have been a source of hope but have yet to result in action or progress. Scientific understanding of the climate crisis continues to grow, and the international accords seemingly reflect this, though in reality, they fall short of implementation.



What to Expect from COP 28 in Dubai

The Pope looks ahead to the next conference, which will be held Nov. 30-Dec. 12 in the United Arab Emirates. He seems unenthusiastic about the venue, noting that the UAE is “known as a great exporter of fossil fuels,” and oil and gas companies are planning new projects in the country. Though new technology or scientific advances are important for the short term, the change *Laudate Deum* calls for is much more profound. Our problems are deeper than environmental concerns—they are social and political, concerning everyone. But despite his sadness at the ineffectiveness of global institutions, he insists that “to say that there is nothing to hope for would be suicidal, for it would mean exposing all humanity, especially the poorest, to the worst impacts of climate change.” COP28 has the opportunity to be the conference that finally recognizes the real depth of the crisis that humanity is facing. It can respond and make real, meaningful strides toward climate justice.

Spiritual Motivations

Pope Francis addresses an important comment to Catholics and those of other faiths: “authentic faith not only gives strength to the human heart, but also transforms life, transfigures our goals and sheds light on our relationship to others and with creation as a whole.” Robust theological content woven into the core of the arguments – solidarity and subsidiarity, human dignity, the dignity of work, the universal destination of goods and the preferential option for the poor are all there through the document.

Pope Francis outlines how the Scriptures testify to how the world in which we find ourselves is lovingly created. God proclaimed that everything He created was good. Jesus Himself often stopped to contemplate the beauty of nature and invites us to be attentive to that beauty. God unites us to all his creatures whereas the technocratic paradigm can isolate us from the world around us. The human person has a unique and central value amongst God's creatures, but life is incomprehensible and unsustainable without other creatures to which we are linked with unseen bonds. We should not think of human persons as omnipotent or limitless. Instead, we should have a humbler and more fruitful vision of ourselves.

There are no lasting changes without cultural changes and no cultural changes without personal changes. Our actions bring about transformation. Authentic faith should change lives and this, in turn, should change culture. Pope Francis in the final paragraph turns back to the theme to explain why it is so important that we make “*Laudate Deum*” a practice in our lives: “When human beings claim to take God's place, they become their own worst enemies.”



जयंती - 2025

हमारी पवित्र माता कलीसिया ने धर्मसभा की सोलहवीं महासभा का पहला सत्र पूरा कर लिया है, जो 'सहभागिता, मिशन, भागीदारी' को दर्शाता है। यह यात्रा अक्टूबर २०२१ में धर्मप्रांतीय चरण के साथ शुरू हुई, जब स्थानीय पल्लीयों के सभी विश्वासीगण १० विषयगत केन्द्रकों के प्रकाश में साझा करने, सुनने और समझने की प्रक्रिया में शामिल थे; महाद्विपीय चरण में, हमने धर्मध्यक्षीय सम्मेलनों में उभरने वाली विभिन्न आवाजों पर ध्यान दिया; और सार्वभौमिक चरण में, सहभागिता, मिशन और भागीदारी पर विवेचन किया गया है, और संश्लेषण रिपोर्ट, 'मिशन में एक सिनोडल चर्च' इसका फल है।

सन १३०० में, संत पिता बोनिफेस आठवे ने पहली "जयंती" की घोषणा की, जिसे "पवित्र वर्ष" के रूप में भी जाना जाता है, क्योंकि यह एक ऐसा समय है जिसमें ईश्वर की पवित्रता हमें बदल देती है। पवित्र वर्षों की आवृत्ति समय के साथ बदल गई है: सबसे पहले, वे हर १०० साल में मनाए जाते थे; बाद में, १३४३ में संत पिता क्लेमेंट छठे ने जुबली के बीच के अंतर को हर ५० साल में कम कर दिया, और १४७० में संत पिता पहल द्वितीय ने इसे हर २५ साल में बना दिया। वैसे तो 'असाधारण' पवित्र वर्ष भी रहे हैं: १६३३ में संत पिता पियुस ग्यारवें ने मुक्ति की १६०० वीं वर्षगांठ मनाई; २०१५ में संत पापा फ्रांसिस ने दया के असाधारण जयंती वर्ष की घोषणा की। पिछली साधारण जयंती २००० की महान जयंती थी, जिसके लिए हमारे पास तीन साल की तैयारी थी: १९९७ (जिसमें पुत्र परमेश्वर पर ध्यान केंद्रित किया गया), १९९८ (पवित्र आत्मा परमेश्वर पर ध्यान केंद्रित किया गया), और १९९९ (परमपिता परमेश्वर पर ध्यान केंद्रित किया गया)। जयंती कार्यक्रमों में पवित्र द्वार में प्रवेश करना, तीर्थयात्रा करना, दंड मोचन प्राप्त करना आदि शामिल हैं।

जयंती की विशेषताएं

आगामी जयंती के लिए सात विशेषताएं हैं: (१) तीर्थयात्रा (यात्रा, सीमाओं को पार करना, क्षेत्रों के पार जाना, अन्य सहयात्री साथियों के साथ); (२) पवित्र द्वार (शक्तिशाली संकेत, चार रोमन बेसिलिका, येयु द्वार है, कलीसिया के आंतरिक भाग की यात्रा); (३) मेलमिलाप (ईश्वर को हमारे जीवन के केंद्र में रखना, सामाजिक न्याय की बहाली, पापस्वीकार); (४) प्रार्थना (ईश्वर की उपस्थिति और उनके प्रेम के प्रस्ताव के लिए खुला होना); (५) उपासना पद्धति (कलीसिया की सार्वजनिक प्रार्थना, शिखर और कुण्ड, द्वार खोलना); (६) विश्वास की घोषणा (बपतिस्मा लेने वाले व्यक्ति की पहचान, प्रेरितिक धर्मसार, नाइसियन धर्मसार); और (७) दंड मोचन (ईश्वर की दया का अनुभव, कष्टों को अर्पित करना)।

जयंती २०२५ के लिए तैयारी और उत्सव

'आशा के तीर्थयात्री' सामान्य जयंती २०२५ के समारोहों का आदर्श वाक्य है। हमारे संत पापा फ्रांसिस महामारी और युद्धों द्वारा उत्पन्न अनिश्चितताओं और कठिनाइयों के बीच खींसीय जीवन में आशा के महत्व को रेखांकित करते हैं। सीखें, प्रार्थना करें, और चलें - ये तीन शब्द हैं जिन्हें हमें एक साथ यात्रा करते समय याद रखने की आवश्यकता है।

प्रारंभिक वर्ष (२०२३-२०२४) में, हम द्वितीय वतिकान परिषद के चार संविधानों के अध्ययन को बढ़ावा देंगे: सक्रोसैक्टम कहन्सिलियम, देई वर्बुम, लुमेन जेंटियम और गौडियम एट स्पेस ताकि परिषद के सामान्य विषयों को समझा जा सके, और येसु, कलीसिया और आज दुनिया में हमारे जीवन का पता लगाया जा सके। सुसमाचार प्रचार के विभाग ने द्वितीय वतिकान परिषद और चार संविधानों की पृष्ठभूमि की जानकारी देने वाली ३५ पुस्तिकाएं प्रकाशित की हैं। प्रार्थना के वर्ष में, हमें सार्वभौमिक कलीसिया के साथ, स्थानीय पल्लीयों में, पूरी मानवता के लिए प्रार्थना करने के लिए बुलाया जाता है। हम खींसीय जीवन प्रार्थना पर, संस्कारों, उपसंस्कारों, पवित्र प्रथाओं और लोकप्रिय भक्ति पर भी विचार करेंगे। डिकास्टरी ने प्रार्थना पर ६ पुस्तिकाओं को प्रकाशित किया है। २०२५ में, हमें रोम में जुबली द्वार पर चलने के लिए आमंत्रित किया जाएगा, जो चार बेसिलिका की तीर्थयात्रा करेगा। साधारण जयंती २०२५, सिनोडल यात्रा का एक अभिन्न हिस्सा, हमें आशा के तीर्थयात्री, आशा के दाता और आशा को जीने वाले बनने के लिए आमंत्रित करता है।

जुबली प्रतीक चिन्ह (लोगो) चार अमूर्त मानव आकृतियों को चित्रित करता है, जो मानव जाति की व्यापक प्रकृति का प्रतीक है, जो पृथ्वी के विभिन्न छोरों से उत्पन्न होता है। उनकी तल्लीन बातचीत सार्वभौमिक सौहार्द और दयालु भाईचारे को दर्शाती है, जो सभी जातियों के बीच एकता प्रदान करने के आदर्श हैं। सबसे आगे मुख्य किरदार एक क्रूस को पकड़ता है। यह न केवल इस व्यक्ति के विश्वास का प्रतिनिधि है, बल्कि अनन्त आशा का प्रतीक भी है, एक आवश्यकता जो हमारे भीतर अंतर्निहित है, गहन आवश्यकता के क्षणों के दौरान तेज हो जाती है। इन आकृतियों के नीचे टेढ़ी-मेढ़ी लहरें हैं, जो दर्शाती हैं कि जीवन के माध्यम से हमारी यात्रा कभी-कभार परेशान होती है। रोजमर्रा के अस्तित्व और वैश्विक घटनाओं के उतार-चढ़ाव और प्रवाह अक्सर आशा के लिए एक मजबूत आह्वान को मजबूर करते हैं।

इस कारण से, हमें विशेष रूप से क्रूस के निचले हिस्से पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जिसे लहरों में उतरने वाले लंगर की तरह विस्तारित और आकार दिया गया है। लंगर को व्यापक रूप से आशा के प्रतिनिधित्व के रूप में पहचाना जाता है। “आशा का लंगर” शब्द समुद्री शब्दजाल में आरक्षित लंगर का वर्णन करने के लिए उपयोग किया जाता है जो तूफान के उपयोग के दौरान जहाज को स्थिर करने के लिए आपातकालीन दाव-पेंच का उपयोग करता है। विशेष रूप से, चित्र तीर्थयात्रा को एक बढ़ती जीवन शक्ति के साथ एक सामूहिक प्रयास के रूप में दर्शाता है जो यात्री को एक व्यक्तिगत प्रयास के बजाय क्रूस के करीब लाता है।

प्रतीक चिन्ह (लोगो) में क्रूस न केवल गतिशील है, बल्कि यह स्थिर भी नहीं है। यह मानवता की दिशा में नीचे पहुंचता है, उन्हें त्यागने के बजाय अपने अस्तित्व और आशा की सुरक्षा का आश्वासन देने के लिए पहुंचता है। २०२५ के जयंती वर्ष का आदर्श वाक्य, “पेरेग्रीनेट्स इन स्पेस” (आशा में तीर्थयात्री), हरे अक्षरों में लोगो के निचले भाग में दिखाई देता है।

संत पापा के निमंत्रण पर प्रतिसाद देते हुए, हमारे महाधर्मप्रांत ने भी भारत में कलीसिया के साथ मिलकर २६ नवंबर २०२३ को सार्वभौमिक ख्रीस्त राजा के महापर्व पर सामान्य जयंती २०२५ की तैयारियों का उद्घाटन किया। जयंती २०२५ हमें ईश्वर को “याद” करने, ईश्वर और ईश्वर की कलीसिया के साथ हमारे संबंधों की “समीक्षा” करने, और ईश्वर और ईश्वर के लोगों के साथ हमारे संबंधों को “पुनर्स्थापित” करने के लिए आमंत्रित करती है। येसु, कलीसिया और हमारा उत्सव केवल सहभागिता, मिशन और भागीदारी में हमारी धर्मसभा यात्रा के संदर्भ में होगा।

हिन्दी अनुवाद : केविन लूसीओ पिंटो



Christmas Wishes From



Simi Electronics

ISO 9001:2008

Since 1988

HQ: 4th Floor, Rajkamal Complex, Panchsheel Square, Nagpur - 440012
B.O. : 67-68, RDA Building, Sector VII, New Rajendra Nagar, Raipur (C.G.)

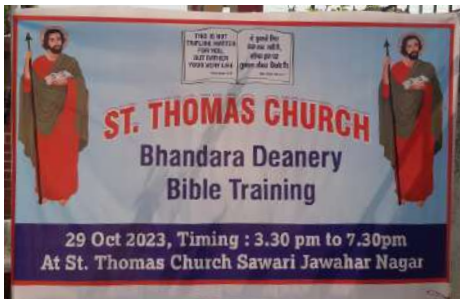
Mathew George Thoduka : 9422145307 | E-mail : mathew@simielelectronics.com

Nagpur: 0712-2438907, 6612030, 9422145307, 9422805133, 5948. sales@simielelectronics.com
Raipur: 0771-4270091, 0966289680, 9403097521. service.raipur@simielelectronics.com

BHANDARA DEANERY BIBLE TRAINING AT JAWAHAR NAGAR

A deanery level Bible Training programme was conducted at St. Thomas Church, Jawahar Nagar on 29th October 2023. Mr. William Timothy from Nagpur was the resource person. Fifty lay-people and religious from various parishes gathered and prayed together. Everyone appreciated the programme.

Every home in the parish recited the Rosary during the month of October. A large number of parishioners took part in the Rosary.



GHORADONGRI PARISH

CHRIST THE KING FEAST 2023



Mission Sunday 2023



ST. JOHN PAUL II CHURCH, HAZARIPAHAD

THE BLESSING OF THE CHURCH ROAD BY HIS GRACE ARCHBISHOP ELIAS GONSALVES



FEAST MASS

The Feast Mass at St. John Paul II Church, Hazaripahad was celebrated on 29th October. by Archbishop Elias Gonsalves. After the Eucharist there was a beautiful cultural evening followed by an agape meal. It was a joyful occasion. All experienced the blessings of their Patron St. John Paul II.



MARY QUEEN OF THE APOSTLES CHURCH PALLOTTI NAGAR, NAGPUR

On November 18th, 32 altar servers along with a few animators gathered for a day of enrichment. The program began at 8 am with Fr. Johnson Putthur welcoming the participants. Sr. Nelsy Francis, ASMI opened with a session on prayer, followed by Fr. Tommy Philip's Session on 'Integrity'. After lunch, Mr. Maurice Titus the animator in charge guided them in reciting the Holy Rosary.

Post-lunch Fr. Vincent Thottupatt led the adoration, emphasizing Jesus' real presence. In a nutshell, the seminar provided spiritual uplifting experience and enriched the altar servers' commitment to our parish church service.

Evening Retreat - November 17th

A transformative evening retreat on November 17th, led by Rev. Fr. Dibin Aluvassery and his team from Tabor, Kalyan, encapsulated four impactful hours in MQA parish. The session, comprising praise and worship, dynamic preaching, and a healing segment, provided a spiritually enriching experience for all participants.

Confirmation Ceremony - November 12th

The Sacrament of Confirmation, administered by His Grace Archbishop Elias Gonsalves of Nagpur Archdiocese on November 12th, witnessed 38 confirmands receiving the gifts of the Holy Spirit. The success of the program was a result of collaborative efforts from the parish priests, catechists, and parish council members



FOR UNTO US IS BORN A SAVIOUR

For unto us is born a Saviour,
Amidst the night, a radiant light.
A promise fulfilled, a hope unfurled,
In a humble manger, a wondrous sight.

From heavens above, a gift so rare,
Bringing peace and love, beyond compare.
A guiding star in the sky aglow,
Leading all to where the Child doth grow.

Born to heal, to mend and bless,
To teach us kindness, togetherness.
With tender hands and a heart so pure,
A beacon of grace, forevermore.

In Bethlehem's cradle, a King's embrace,
Embodying mercy, embodying grace.
For unto us, this precious morn,
Is born our Saviour, love adorned.

Where borders divide and hatred sears,
He preaches unity, dries our tears.
A hand extended, devoid of hate,
Guiding us through this troubled state.

Through trials dire, His love holds sway,
In darkest hour, shows us the way.
In lands where suffering takes its toll,
His healing touch consoles the soul.

For unto us, in this age of dread,
A Saviour's born, our path to tread.
Let's heed His call, in every storm,
In His embrace, find peace reborn.

-Kevin Lucio Pinto



JESSE TREE : AN ADVENT PREPARATION



What is a Jesse Tree?

Jesse Tree is a way of preparing for Advent by journeying through the stories that traces the lineage of Jesus's family tree. Each day of Advent, read a Bible story about someone on Jesus's family tree and hang an ornament symbolizing the story on your Jesse Tree. As you decorate your tree, it reminds us that the coming of Jesus was long prophesied, and that in the stories of his ancestors, we can hear echoes of his own life, death, and resurrection.

यिश्य पेड़ क्या है?

यिश्य पेड़ उन कहानियों के माध्यम से यात्रा करके आगमन की तैयारी करने का एक तरीका है जो यीशु के वंशवृक्ष की वंशावली का पता लगाती है। आगमन के प्रत्येक दिन, यीशु के वंश वृक्ष पर किसी के बारे में बाइबल कहानी पढ़ें और अपने यिश्य पेड़ पर कहानी का प्रतीक एक आभूषण लटकाएँ। जैसे ही आप अपने पेड़ को सजाते हैं, यह हमें याद दिलाता है कि यीशु के आगमन की भविष्यवाणी लंबे समय से की गई थी, और उनके पूर्वजों की कहानियों में, हम उनके स्वयं के जीवन, मृत्यु और पुनरुत्थान की गूँज सुन सकते हैं।





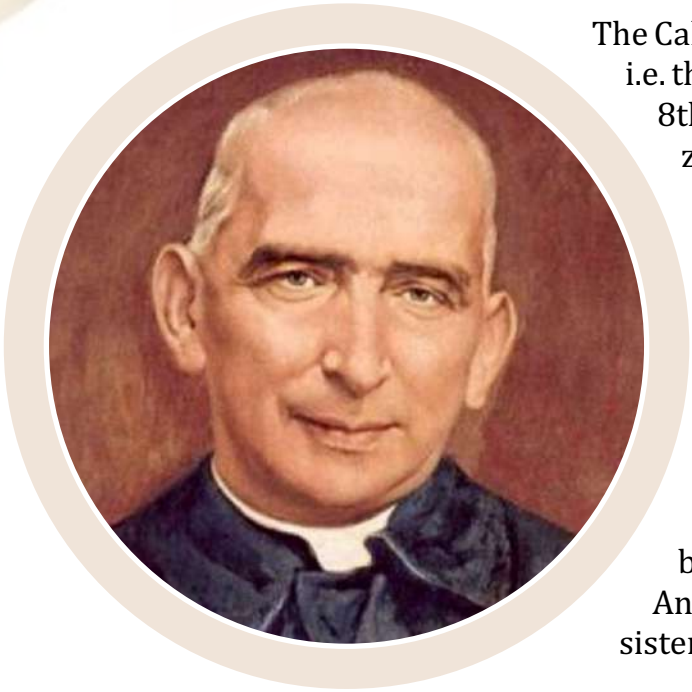
Where does Jesse Tree come from?

The Jesse Tree tradition is rooted in Isaiah 11:1: "A shoot shall come out from the stump of Jesse, and a branch shall grow out of his roots." Jesse was the father of David, Israel's greatest king. And Jesus is descended from the line of David. He is the branch God promised would grow from Jesse's family tree. Each symbol represents a story from within this family tree and a step toward the birth of Jesus.

विशय पेड़ कहाँ से आता है?

विशय पेड़ परंपरा यशायाह 11:1 में निहित है: "विशय के धड़ से एक टहनी निकलेगी, उसकी जड़ से एक अंकुर फूटेगा।" विशय इसराइल के सबसे महान राजा दाऊद के पिता थे। और यीशु दाऊद के वंश के वंशज हैं। वह वाही शाखा है जिसके बारे में परमेश्वर ने वादा किया था कि वह विशय के वंशवृक्ष से उगेगी। प्रत्येक प्रतीक इस वंशवृक्ष के भीतर से एक कहानी और यीशु के जन्म की ओर एक कदम का प्रतिनिधित्व करता है।

150th REPORT ON SESQUICENTENNIAL JUBILEE OF PSDP



The Calabrian family celebrated the Sesquicentennial Feast i.e. the 150th birthday of our founder St. John Calabria on 8th October, 2023. The PSDP Family from the Nagpur zone gathered together to celebrate the day. On 8th October morning, we had invited all the seminarians for a cup of tea to take part in our joy. His Grace Elias Gonsalves, the Archbishop of Nagpur Diocese, presided over the Eucharistic celebration in the evening. While the Co-celebrants we had were our Delegate, Rev. Fr. Manoj Ethirvellil and Vicar General, Rev. Fr. Anthony D'souza. Following the Mass, we had the cutting of the Jubilee cake, which was done formally by Bishop Elias Gonsalves, Vicar General, Rev. Fr. Anthony D'souza, and both PSDP delegate brothers and sisters, Rev. Fr. Manoj Ethirvellil and Rev. Sr. Bimla Minz.



HOLY ROSARY PARISH, SEMINARY HILLS, NAGPUR

Sports Day

On November 19, 2023, the Holy Rosary Parish in Seminary Hills, Nagpur, hosted a vibrant Sports Day Carnival for its parishioners. The event commenced with an impressive march-past, accompanied by an encouraging message from Fr. Praveen D'Souza, OP. Throughout the day, an array of individual and team sports engaged participants of all age groups, from children to seniors. The enthusiastic involvement of everyone showcased remarkable sportsmanship and team spirit. The event was impeccably organized by the Carton Brothers sports management team, led by Sir Aaron Carton, Miss Vinisha Nitnaware, and their dedicated team.



ROSARY PARISH CHURCH

Confirmation

5 November, 2023

Congratulations to the Newly Confirmed

29 of our children were confirmed through the laying on of hands by our Archbishop Rev. Elias Gonsalves.



"May the Holy Spirit's guidance and blessings be with you as you receive the Sacrament of Confirmation. Best wishes on this significant step in your faith journey!"

Christmas Wishes From



J.J. CONSTRUCTIONS

ENGINEERS & CONTRACTORS



#Flat No A-3, Jaika Aparatment, Near Heritage Hotel, Civil Lines, Nagpur 440001
Ph No: 0712-2569966 (M) 9422110629,9049996541

mahindra
TRUCK AND BUS

Christmas Wishes From

**MAHINDRA CRUZIO.
THE MOST PROFITABLE BUS IN ITS CLASS.**



To know more give us a call on
9552542932

AUGUSTA MOTORS PVT. LTD. NAGPUR
Contact : 7447770121



Christmas Wishes From
**NEW YEAR'S COMING SOON
BUT THE CELEBRATION STARTS NOW**

**UNNATI
MOTORS**

Hurry!
Bring home your Mahindra SUV
before prices increase

VALID TILL 28th DECEMBER 2023



MARAZZO	BOLERO NEO	BOLERO	XUV300	XUV400
BENEFITS UP TO ₹ 92 700.00*	BENEFITS UP TO ₹ 1 00 000.00*	BENEFITS UP TO ₹ 98 000.00*	BENEFITS UP TO ₹ 1 72 000.00*	BENEFITS UP TO ₹ 3 20 000.00*



xmart
SMART BUY. SMART EXCHANGE.

*Credit at sole discretion of bank. # subject to credit approval from the Bank/ Finance company. All other terms & Conditions will apply. offer valid on select models till stock lasts. This offer cannot be clubbed with any other offer. offer mentioned is maximum benefit available inclusive of insurance, exchange, loyalty, corporate as applicable. offer will vary depending on the brand and model purchased and may vary from city to city. contact your nearest mahindra dealer for exact details, terms of the offer may be altered / amended withdrawn without prior notice Accessories shown are not part of standard equipment. offer valid till stock last. t&c apply.

VISIT US : NAGPUR, AMRAVATI, YAVATMAL, WARDHA
CONTACT US: ☎9503100620 📞8799931579

SFS CATHEDRAL

Annual Fancy Fete: The annual fancy fete at SFS Cathedral took place on November 4th and 5th, 2023, with the support of parishioners. The event featured new games and stalls, with various religious nuns, elderly people, youth, and children running stalls. The Archbishop of Nagpur, Most Rev Elias Gonslaves, released a brochure during the fete, titled "A great symphony of prayer." The brochure was presented to Fr. Sebastiraj, Rector of SFS Cathedral, and Fathers Anbu Xavier and Nikesh D'Souza OCD, assistant parish priests. The 2024 year will be dedicated to a great Symphony of Prayer, inaugurated on November 26th, 2025, on the occasion of Christ the King. The fete concluded with the announcement of raffle winners. - Melissa Hirekan, Techno Ministry

YCS Inauguration Mass: On December 3rd, 2023, the Parish' Young Catholic Students (YCS) held their inaugural Mass at 9:30 am. The YCS, a branch of the Parish Youth, includes students who have graduated from school and are pursuing studies in colleges or universities. They aim to grow in their knowledge and love of God, dedicating their time and effort to the work of the Church. YCS members animated the Mass, participated in choir and took their oath wherein they were given badges. Fr Nikesh DSouza blest packets of salt and candles which was then given to the young members to remind them that they are called to be the salt of the earth and the light of the world. The event was a day of prestige and celebration for these young Catholic students. - Rea D'Souza, Techno Ministry

Children's Day: On November 19th, the Daughters of St Paul Sisters and their young lay associates organized a Children's Day program for Sunday school children at the Catholic institute Club. The event began with an opening prayer, followed by action songs, games, and quizzes. The children participated actively and won prizes. The program concluded with a prayer and a special Mass by Fr Anbu Xavier. Snacks were distributed to the children thanks to the generosity of Mr. and Mrs. Leo Franswah. - Joylyn Lawrence, Techno Ministry

Adoration in preparation for the Feast of Christ the King: St Francis de Sales Cathedral held the Annual 40 Hours Adoration in preparation for the Solemnity of Our Lord Jesus Christ. The event began with Mass by Fr. Anthony D'Souza, Vicar General, and ended with the final hourly adoration on Sunday, November 26. Fr. Anthony gave the final blessing in the presence of Most. Rev. Archbishop Elias Gonsalves. The church was filled with prayers from various clergy, religious and laity groups across the Archdiocese. The parish fathers expressed gratitude to all parishes, schools, youth groups, religious congregations, and seminarians who participated in the Solemn Adoration. - Tobit Hirekan, Techno Ministry



आज ईसा मसीह का जन्म मेरे लिए क्या मायने रखता है?

दुनिया भर के काथलिकों के लिए, ईसा मसीह के जन्म का उत्सव (क्रिसमस) एक अत्यंत महत्वपूर्ण घटना है। यह आनंद, आत्मनिरीक्षण और आध्यात्मिक नवीनीकरण का समय है। इसलिए, ईसा मसीह के जन्म के वास्तविक महत्व को समझना और स्वीकार करना हमारे जीवन को बदल सकता है और आज की जटिल और तेजी से बदलती दुनिया में आशा और मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है। इस लेख में हम हमारे वर्तमान संदर्भ में विभिन्न पात्रों और उनकी प्रासंगिकता की जांच करते हैं, खासकर गरीबी, बेरोजगारी, अपराध, हिंसा, शत्रुता और कुछ धर्मों के प्रति असहिष्णुता जैसे वर्तमान मुद्दों के प्रकाश में। इन महत्वपूर्ण चरित्रों का अधिक बारीकी से अध्ययन करके ईसा मसीह के जन्म और उनके महत्व के बारे में हमारे ज्ञान का विस्तार किया जा सकता है।

जोसेफ: वफादारी और प्रबंधन का एक उदाहरण

जोसेफ, येशु के सांसारिक पिता, विश्वासयोग्यता और प्रबंधन का प्रतीक हैं। आज के भारतीय संदर्भ में, जहां गरीबी और बेरोजगारी व्याप्त है, मरियम और बालक येशु की सुरक्षा और देखभाल के लिए जोसेफ की प्रतिबद्धता एक प्रेरणादायक उदाहरण के रूप में कार्य करती है। चुनौतियों का सामना करने के बावजूद जिम्मेदारी स्वीकार करने की जोसेफ की इच्छा निःस्वार्थता और जरूरतमंद लोगों की सहायता करने के महत्व को दर्शाती है। ईश्वर की इच्छा के प्रति उनकी आज्ञाकारिता हमें याद दिलाती है कि कठिन समय में भी, हम अपने विश्वास में ताकत पा सकते हैं।

मरियम: विश्वास और समर्पण का एक आदर्श

येशु की माँ मरियम विश्वास और समर्पण का प्रतीक है। अपराध और असुरक्षा से ग्रस्त समाज में, मरियम का ईश्वर की योजना पर अटूट भरोसा आशा की किरण के रूप में चमकता है। सामाजिक परिणामों का सामना करने के बावजूद, ईसा मसीह की माँ होने की भूमिका स्वीकार करने की उनकी इच्छा, हमें ईश्वर की इच्छा के प्रति समर्पण करने की शक्ति सिखाती है। मरियम का विश्वास और लचीलापन हमें अपनी चुनौतियों और कठिनाइयों को विश्वास के साथ स्वीकार करने के लिए प्रेरित करता है, यह जानते हुए कि ईश्वर हमेशा हमारे साथ है।

सिमेयोन और अन्ना: नबीयक वाणीयों का महत्व

सिमेयोन और अन्ना, दो धर्मनिष्ठ व्यक्ति जिन्होंने येशु को मसीहा के रूप में पहचाना, नबीयक वाणीयों के महत्व को दर्शाते हैं। युद्ध और घृणा का सामना करते हुए, पवित्र आत्मा द्वारा निर्देशित सिमेयोन और अन्ना ने ईसा मसीह के जन्म के महत्व को समझा और इसे दूसरों के सामने घोषित किया। आज, उनका उदाहरण हमें शांति, न्याय और एकता की वकालत करने वाले नबीयों और आध्यात्मिक नेताओं की आवाज सुनने और उन पर ध्यान देने की आवश्यकता की याद दिलाता है। उनके संदेश को अपनाकर हम अपने समाज में हिंसा, विभाजन और दुश्मनी पर काबू पाने की दिशा में काम कर सकते हैं।

हेरोद: शक्ति और अहंकार के खतरे

भय और अहंकार से प्रेरित हेरोद सत्ता और स्वार्थ के खतरों का प्रतिनिधित्व करता है। भ्रष्टाचार और धार्मिक असहिष्णुता से त्रस्त दुनिया में, नवजात राजा को खत्म करने का हेरोद का प्रयास अनियंत्रित अधिकार की विनाशकारी प्रकृति को उजागर करता है। हेरोद की हरकतें एक चेतावनी भरी कहानी के रूप में काम करती हैं, जो हमें उन लोगों से सावधान रहने की याद दिलाती हैं जो व्यक्तिगत लाभ के लिए सत्ता का दुरुपयोग करते हैं। ईसा मसीह का जन्म हमें ऐसी हानिकारक प्रवृत्तियों को अस्वीकार करने और सभी के लिए प्रेम, करुणा और सम्मान पर आधारित समाज के लिए प्रयास करने की चुनौती देता है।

सराय के रखवाले: अजनबी को गले लगाने में हमारी भूमिका को पहचानना

जिन सराय मालिकों ने जोसेफ और मरियम को दूर कर दिया, वे चूके हुए अवसरों और आतिथ्य की कमी का प्रतीक हैं। धार्मिक असहिष्णुता और सामाजिक विभाजन से जूझ रही दुनिया में, जरूरतमंद लोगों का स्वागत और समर्थन करने की हमारी प्रतिबद्धता पर विचार करना महत्वपूर्ण है। सराय के रखवालों की कहानी हमें हमारे समाज में हाशिये पर पड़े और बहिष्कृत लोगों के प्रति हमारे कार्यों और दृष्टिकोण की जांच करने की चुनौती देती है। दूसरों के प्रति सहानुभूति, करुणा और सहायता बढ़ाकर, हम एक अधिक समावेशी और प्रेमपूर्ण समुदाय को बढ़ावा दे सकते हैं।

ईसा मसीह का जन्म आस्था रखने वाले लोगों के लिए गहरा अर्थ रखता है और इसकी प्रासंगिकता आज के भारतीय समाज में हमारे सामने आने वाली चुनौतियों तक फैली हुई है। क्रिसमस कहानी के प्रतीकों और पात्रों के माध्यम से, हम अपनी वर्तमान समस्याओं के समाधान में मार्गदर्शन और प्रेरणा पा सकते हैं। जोसेफ, मरियम, सिमेयोन, अन्ना, हेरोद और सराय के मालिकों के उदाहरण हमें उन मूल्यों और गुणों की याद दिलाते हैं जिन्हें एक बेहतर दुनिया बनाने के लिए हमें अपनाना चाहिए। शास्त्रीय संदर्भों और आधार-सामग्री के माध्यम से ईसा मसीह के जन्म के बारे में अपनी समझ को गहरा करके, हम अपने विश्वास को समृद्ध कर सकते हैं और अधिक दयालु और न्यायपूर्ण समाज में योगदान कर सकते हैं। काथलिक होने के नाते, आइए हम ईसा मसीह के जन्म के सही अर्थ पर विचार करें और इसके परिवर्तनकारी संदेश को अपने दैनिक जीवन में जीने का प्रयास करें।

—केविन लुसियो पिंटो

ST. CHARLES SEMINARY FEAST 2023

On 4th November 2023, St. Charles Seminary in Nagpur celebrated the feast of its Patron St. Charles Borromeo with a lively sharing session at Aula Magna. 34 ex-Carolinas, including twelve who celebrated forty years, fourteen of them twenty-five years, and eight of them ten years of their ordination, participated. The session began with a prayer ceremony guided by Deacons, and distinguished guests included Most Rev. Victor Henry, the Archbishop of Raipur, who celebrated his Ruby Jubilee, and Rev. Fr. Thomas Manjali, S.A.C., the Rector of Pallotti Bhavan. The evening culminated in a solemn Eucharistic Celebration presided over by Rev. Archbishop Elias Gonsalves, accompanied by Most Rev. Victor Henry, Rev. Fr. Aquin Noronha, O.P., the Rector of St. Charles Seminary, the jubilarians, staff, rectors of study houses, and priests from nearby parishes and religious institutions. The Carolian Family and Archbishop Elias Gonsalves thanked everyone for their presence, support, and service. The celebration ended with a festive meal.



BIBLICAL QUEEN SEASON 2

Crown of Hope A Regal Fusion of Spirituality and Glamour

On October 27, 2023, the Christian Life Commission (CLC), Women's Commission, Catholic Information Centre, and St. Vincent Pallotti School, Anant Nagar, collaborated to host "Biblical Queen Season 2 - Crown of Hope". The event celebrated the timeless stories of strength, grace, and hope embodied by biblical queens.

Judges, including fashion choreographer Abhishek Jaiswal, runway model Vidhi Maheshwari, Gujarati actress Chetana Shah, Fr. Ben Rodrigues, and Sister Sangita Parrera saw the participants bring these iconic characters to life. The event was graced by His Grace Most Rev Archbishop Elias Gonsalves, Guest of Honour, Rev. Sr. Pushpa Louis, Fr. Johnson Puttur, and other officials.

The chief guest, His Grace Archbishop Elias Gonsalves, emphasized the importance of empowering women to be leaders and role models. The competition was divided into three rounds: the Walk of Hope, the Act of Hope, and the final round, where six finalists competed for the title of "Biblical Queen Crown of Hope." The event showcased creativity, enthusiasm, and values gleaned from biblical tales, with 10 titles declared, five each in the school and parish categories.



Christmas Wishes From

RISHTA AAP SE HAI,
SIRF APP SE NAHI.*

Rishta. Anytime, anywhere!

Discover FedMobile, the all-in-one App that allows you to do a wide gamut of banking and non-banking transactions, from wherever and whenever.



FEDERAL BANK

YOUR PERFECT BANKING PARTNER

Scan here



to update/
download FedMobile



Recharge &
make bill payments



One Nation, One Money
Transfer. Send money to any
bank anywhere instantly



Download Statements &
Certificates (Loan, Deposit & TDS)
for viewing or have them
sent to your email.



In-App support and help
for all the services



Manage your FD, RD,
Mutual Funds & purchase
Sovereign Gold Bonds



All your deposit/loan accounts
and statements in one click



Apply for Cheque Book,
Submit Form 15G/15H
and a lot more



Apply for Home/Car/
Educational Loans



Make Cab, Bus, Flights
and Hotel Bookings



Enjoy BHIM UPI and
Scan N Pay services



Manage your
Federal Credit/Debit Cards



Open FedBook
Selfie account

* Conditions apply



1800 420 1199
1800 425 1199
+91 484 2630994/5 (NR)

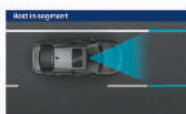
www.federalbank.co.in



Drive into the New Year 2024 with a Hyundai.

The gift of love. The gift of peace, The gift of happiness, May all these be yours this Christmas.

Merry Christmas & A Happy New Year 2024!



Hyundai SmartSense - Level 2 ADAS (17 features)



Six airbags



Vehicle stability management (VSM) Hill start assist control (HAC) Electronic stability control (ESC)



ISO FIX



3-point seat belt & seat belt reminder for all seats

65+
advanced
safety features



Environment
Friendly



Less Engine Weight



Fuel
Efficient



Altitude
Behaviour



More
Power

**Turbo Engine
Power 160ps**

Benefits of Turbo Charger

To know more,
WhatsApp us on
8447228019

my
Hyundai

Hyundai
Click to buy

5 Shield of Trust
Security Shield Package

5 Shield of Trust Super
Maintenance Package

7 Extended
Warranty

3 Unlimited
kilometre warranty

Lowest cost of
maintenance

HYUNDAI

With Best Compliments Ketan Hyundai

NAGPUR
8758757717

CHANDRAPUR
7720020135

AMRAVATI
9822227231

YAVATMAL
9011071290

GONDIA
7888045259

GADCHIROLI
7720020135

WARUD
9699738512

UMRED
9922820123

KATOL
9922820123

WANI
7720020135

CHRISTIAN LIFE COMMISSION CLUB INAUGURATIONS

Cultivating Faith, Fostering Growth

The inauguration of Christian Life Commission (CLC) Clubs in approximately 15 schools in June-July marked a significant initiative to instill faith, community values, and comprehensive growth among Christian students and educators. The inauguration ceremonies began with solemn liturgical masses, symbolizing a collective commitment to the club's values.

These CLC Club inaugurations were transformative experiences, laying the foundation for a year filled with spiritual growth and shared experiences. The commitment exhibited by both teachers and students showcased the enduring impact of initiatives by CLC Club in nurturing the Christian ethos within educational institutions, fostering an environment of faith, community spirit, and holistic development.



FAITH FORMATION SUNDAY

Nurturing Faith, Inspiring Educators

Around 250 Catechism teachers attended a Faith Formation Sunday on 9th July 2022, focusing on creating meaningful Catechism books to foster spiritual growth in students. The event was attended by scholars, authors, and parish leaders, who discussed the role of faith in education and the responsibilities teachers have in instilling faith in students. Archbishop Elias Gonsalves highlighted the importance of teachers in upholding the values of the church. The day was filled with brainstorming sessions on church and school catechism, focusing on developing innovative syllabi and books. The day ended with an interactive session where teachers provided valuable feedback, and the CLC team addressed concerns raised by educators. The event evolved into a communal commitment to empower the next generation with the values and knowledge of their faith, leaving participants with a shared vision for the future of Catechism education.



CELEBRATING FAITH AND FAMILY

Parents Recollection Day Unites Hearts

A Parents Recollection Day was organized by the Christian Life Commission and Catholic Information Centre in Nagpur for catechism students' parents. Around 150 parents attended the event, which included four sessions addressing contemporary parenting and faith formation. Prof. Ashirwad Satyam shared insights on navigating challenges related to mobile addiction and social media, emphasizing the foundation of trust between parents and children. Fr. Crizler from Amravati Diocese provided a thought-provoking discourse on the pivotal role parents play in shaping their children's faith. Mr. Sheshrao Gedam emphasized conscious parenting and being companions to children. Archbishop Elias Gonsalves addressed the challenges of parenting and faith formation in the modern world, fostering unity and understanding among parents from various Christian denominations. Fr. Vivian Lobo emphasized that the family serves as the primary school of faith, urging parents to cultivate an atmosphere of prayer and openness within their homes. The event embraced the spirit of togetherness, with parents actively participating.



EMPOWERING FAITH

RCIA and Liturgists Workshop

The Christian Life Commission and Catholic Information Centre organized a one-day workshop to deepen understanding of the Rite of Christian Initiation of Adults (RCIA) and enhance liturgist skills. The event, attended by around 130 attendees, featured sessions by distinguished speakers, including Fr. Prashant, Fr. Narendra, and Fr. Vivian Lobo. The workshop highlighted the importance of collaborative efforts in fostering spiritual growth. The diverse audience, including deacons, sisters, fathers, and adult catechism mentors, contributed to the exchange of ideas and experiences.



The event, attended by around 130 attendees, featured sessions by distinguished speakers, including Fr. Prashant, Fr. Narendra, and Fr. Vivian Lobo. The workshop highlighted the importance of collaborative efforts in fostering spiritual growth. The diverse audience, including deacons, sisters, fathers, and adult catechism mentors, contributed to the exchange of ideas and experiences.

JEEVODAY EDUCATION SOCIETY & JEEVODAY COLLEGE

Jeevoday Education Society and Jeevoday College have completed a 3-day Continuing Education Program (CRE) for rehabilitation professionals, focusing on "Autism Spectrum Disorder - Assessment and Intervention in Communication Area." The program aimed to improve understanding and skills in addressing communication challenges for children and young people with autism spectrum disorder. The inaugural function featured the ceremonial lighting of the lamp by Chief Guest Dr. Sr. Lilly Francis, Provincial Superior of ASMI & Vice President of Jeevoday Education Society. Over 90 participants from across Maharashtra and Telangana attended the event. Sr. Blessy Francis.



International Performance by Jeevoday Special School Students

On 19th November, Jeevoday Special School students participated in an International Events organized by A.L.P.A.N.A Sambhav 2023 in New Delhi for persons with disabilities. The students performed an energetic and captivating program, receiving standing ovations from the audience. They showcased their talents through a heart-touching dance, and were awarded certificates and mementos. Sr. Tessily Mary and Mrs. Arti Ailwar accompanied the students.



THE NAGPUR ARCHDIOCESAN INTER RELIGIOUS AND ECUMENICAL

The Nagpur Archdiocesan Inter Religious and Ecumenical Forum held a symposium on Indian Constitutional Values on October 28, 2023, at SFS School. The event began with a prayer dance by Richa from St. Antony's church, Ajni, followed by the lighting of a lamp by dignitaries. Dr. Sarla Lad, health officer of NMC, and Archbishop Elias graced the event as chief guest and guest of honor. Adv. Satyanathan delivered a keynote address, setting the tone for the symposium.

Six speakers from various religions, including Hinduism, Islam, Buddhism, Jainism, Parsi, and Christianity, discussed the 12 main values inherent in the constitution. Mrs. Sweta Bernard served as the master of ceremony, and Dr. William Timothy welcomed and felicitated the dignitaries. A song performance by St. Joseph's High School students and a solo song by Sebi James were appreciated. Fr. Joseph Panackal proposed a formal vote of thanks. Tea and snacks were served to attendees.

Fr. Joseph Panackal
(Director, Nairaeef)



FRANSALIAN YOUTH CONFERENCE 2023

The MSFS Congregation has designated this year as the YEAR OF FRANSALIAN YOUTH. The Fransalian Youth Conference was held by MSFS Nagpur Province from November 22 to 25, 2023, with the theme "Live Jesus! Give Jesus!" We had youth from eight parishes in the province of Nagpur attend the conference. Our inaugural Eucharist was presided over by His Grace Most Rev. Elias Gonsalves, the Archbishop of Nagpur, on November 22, 2023. The purpose of the conference was to teach young people leadership and skill development.



Fr. Jnanamani Simon MSFS



PROGRAMME FOR YOUTH LEADERS

Forty parish youth representatives attended an orientation at SFS High School in Nagpur on October 8. Rev. Fr. Augustine Dsilva and Mr. Kevin Pinto were the keynote speakers for the day. The members were overjoyed to receive and hear from Most Rev. Elias Gonsalves, the Archbishop of Nagpur. Under the capable direction of Rev. Fr. Thomas Joseph (Diocesan Youth Director), the event featured exciting group activities that encouraged interactive learning and team building among the participants.





WAKE UP & REACH OUT

'Wake up & Reach out', an emphatic call was given to the Jesus Youth Movement of India, and responding to this call, 16 Bishops, 298 Priests, 998 Religious Sisters, 477 Seminarians, 7850 Youth, 1408 Families, 1100 Teens, 800 Pre-Teens, 450 Kids and 2000 Volunteers gathered in the widely spread campus of Christ University, Bengaluru from 21st October to 24th October.

JaGo, a Jesus Youth National Conference after 18 years, marked the beginning of a new era for the movement in India. It resembled India's version of World Youth Day. Dressed in their traditional attire, thousands of participants marched onto campus for the first day. Yes, it was a vibrant moment. The conference's highlights included sessions ranging from personal development to ministry, youth needs to family strengthening, vibrating pandals to the tunes of Jesus Youth Gospel Bands, confession, counselling, and hourly Holy Mass. Not just these major initiatives, but individuals talking about different topics in the nooks and crannies of the campus nooks, such as "how to start a prayer meeting on campus."

The original goal was to take 70 participants from Nagpur. But the Holy Spirit had other plans. God inspired 247 people from Nagpur to attend this significant seminar. For this massive gathering, 7 priests, 22 religious sisters, 218 youth, and families travelled to Bengaluru. On October 15, more than a hundred youngsters and their families met in the auditorium of St. Vincent Pallotti Primary School as part of the preparatory process. A happy evening where families and children shared food, danced to the JaGo theme song, listened to God's message, and were deeply anointed during the adoration.

In keeping with the conference's spirit, a post-JaGo conference was scheduled for October 29 at the Pastoral Centre, Archbishop House.



Christmas Wishes From



**SFS School of Excellence, ICSE Board
Seminary Hills, Nagpur**

**ADMISSIONS
Open**

**FOR 2024-25
SESSION**

**COMMITTED
TO
EXCELLENCE
IN
EDUCATION.**

SALIENT FEATURES

ACADEMICS:

Abacus, Coding, Advanced Robotics, Spanish, Japanese,
Upgraded Library, Maths, Science & Language labs.

SPORTS:

Archery, Rifle Shooting, Fencing,
Martial Arts,
Kung Fu, Futsal, Softball,
Table Tennis, Chess, etc.

MUSIC:

Western & Classical
[Instruments & Vocals].

**NATIONAL & INTERNATIONAL
EXPOSURE**

**STUDENT CENTRIC
PEDAGOGY**

**QUALITY CAMPUS &
INFRASTRUCTURE**

FOR ADMISSION CONTACT :



**9168880541
9975992092**



schoolofexcellencesfs@gmail.com



www.sfsschoolofexcellence.com

Merry Christmas From



CENTRE OF EXCELLENCE

Cardiology, Cardio-Thoracic & Vascular Surgery
Laparoscopic, Bariatric & Thoracoscopic Surgery
Urology, Nephrology, Dialysis & Kidney Transplant
Gastroenterology, Interventional Endoscopy &
Hepatobiliary Diseases
Neurology, Neurosurgery & Spine Surgery
Internal Medicine & Critical Care
Orthopedics & Joint Replacement
Emergency & Trauma Care
Interventional Pulmonology, Respiratory &
Sleep Disorders
Pain Management
Interventional Radiology
Radiology & Imaging Services
Skin & Venereal Diseases
Ear, Nose & Throat
Oral & Maxillofacial Surgery
Nutrition & Dietetics
Physiotherapy



Emergency

Pharmacy

X-ray & CT Scan

Pathology

VIVEKA SUPER SPECIALITY HOSPITAL & RESEARCH CENTRE PVT. LTD.

1A, Naik Layout, Subhash Nagar Near Metro Station, Nagpur 440022, Maharashtra

7447441468, 7447441469 | www.vivekahospitals.com